रिपोर्ट 2024

32वाँ दीक्षांत समारोह

32nd CONVOCATION

Wednesday, 13th March 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)

(A Central University)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

के

कुलपति,

कार्यपरिषद्, विद्यापरिषद् के सदस्यगण एवं

विश्वविद्यालय परिवार

32वें दीक्षांत समारोह

के अवसर पर

फाल्गुन, शुक्लपक्ष, चतुर्थी विक्रम संवत् 2080

तद्नुसार 13 मार्च 2024, बुधवार, पूर्वान्ह 10.30 बजे

आपको सादर आमंत्रित करते हैं

मुख्य अतिथि द्वारा दीक्षांत भाषण

प्रो. के. के. अग्रवाल

अध्यक्ष

दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय

(सार्क देशों द्वारा स्थापित)

गौर अतिथि

पद्म श्री प्रो. आर. सी. सोबती

प्रख्यात शिक्षाविद्

पूर्व कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ एवं

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

अध्यक्षता

श्री कन्हैया लाल बेरवाल आई.पी.एस. (से.नि.)

माननीय कुलाधिपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुति

प्रो. नीलिमा गुप्ता

माननीया कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

कार्यक्रम स्थल

स्वर्ण जयंती सभागार

विश्वविद्यालय परिसर, सागर (म.प्र.)

कुलसचिव

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

तार्किक दृष्टि ही विद्यार्थी का सर्वश्रेष्ठ गुण - प्रो. के. के. अग्रवाल

विश्वविद्यालय का 32वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधियाँ

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 32वां दीक्षांत समारोह बुधवार को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में सुबह 10.30 बजे से आयोजित हुआ. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सार्क देशों द्वारा स्थापित दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. के. के. अग्रवाल, गौर अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद्, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ तथा बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. आर. सी. सोबती उपस्थित रहे. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, आईपीएस (से.नि.) ने समारोह की अध्यक्षता की.

देवी सरस्वती एवं डॉ. गौर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ समारोह की शुरुआत हुई.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति का आख्या प्रस्तुत की. अतिथियों द्वारा स्मारिका का विमोचन किया गया. दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण अभिमंच सभागार में भी किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. के.के. अग्रवाल ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि शिक्षा का काम ज्ञात समस्या का समाधान करना है जबकि दीक्षा अज्ञात समस्याओं के समाधान के लिए दी जाती है. दीक्षा प्राप्त करने के बाद अब आप जीवन और समाज में कार्य करने के लिए तैयार हो चुके हैं. डॉ. सर हरीसिंह गौर का इस विश्वविद्यालय की स्थापना में महती योगदान है. विद्यार्थी उनके जैसा महान बनने का संकल्प लें. उन्होंने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में बहुअनुशासनिकता की बात की जा रही है. दुनिया के महान वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ताओं की चित्तवृत्ति बहुअनुशासनिक रही है तभी उनके अनुसंधान परिणाम नवोन्मेषी एवं जनकल्याणकारी रहे हैं. उन्होंने कहा कि जीवन में उद्देश्य का होना बहुत आवश्यक है तभी आप सफल हो सकते हैं. आज शिक्षा में आउटकम बेस्ड लर्निंग की बात की जा रही है. विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षा की बात की जा रही है. हम सभी को ऐसा वातावरण बनाना है कि हम लगातार डॉ. हरीसिंह गौर जैसे व्यक्तित्व पैदा कर सकें. यही हमारी सफलता एवं उत्कृष्टता का मानक होगा.

विद्यार्थियों में प्रश्नाकुलता पैदा करें, उन्हें प्रेरित करें, उनमें आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करें. यही नवाचारी शोधकर्ता के गुण हैं. उन्होंने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को जीवन में सदैव बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए शुभकामनाएं दीं.

जीवन में ज्ञान और कौशल का विवेकसम्मत उपयोग करें विद्यार्थी - कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने अध्याक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि उपाधि मिलना किसी भी विद्यार्थी के जीवन का सबसे सुखद क्षण होता है. सामान्यतयः सभी शैक्षणिक संस्थाओं में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाता है लेकिन महान दानवीर, प्रतिभा के धनी, महान समाज सुधारक, दृढ प्रतिज्ञ डॉ. हरीसिंह गौर द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय में दीक्षांत का आयोजन कई मायनों में विलक्षण है. उन्होंने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उपाधि लेने के बाद अब विद्यार्थी के जीवन में परीक्षाएं आरम्भ होंगी जिनमें उन्हें सफल होना है. जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों में काम करते हुए उन्हें ज्ञान और कौशल का उपयोग विवेकसम्मत उपयोग करना है. शिक्षा के साथ संस्कार एवं पात्रता अति आवश्यक है तभी व्यक्ति को सफलता मिलती है. उन्होंने विश्वविद्यालय के लगातार उन्नयन एवं प्रगति के लिए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को उनके सम्यक अकादमिक एवं प्रशासनिक नेतृत्व के लिए बधाई दी.

ज्ञान एवं संस्कृति के सह-आस्तित्व को शिक्षा में पोषित करने की आवश्यकता-पद्मश्री प्रो. आर. सी. सोबती

गौर अतिथि पद्मश्री प्रो. आर. सी. सोबती ने अपने उद्बोधन में भारतीय ज्ञान एवं संस्कृति के सह-आस्तित्व को शिक्षा में पोषित करने की क्षमता पर बल देने की बात की. उन्होंने आगे कहा कि प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है प्रकृति से सीखने की आवश्यकता ही शिक्षण पद्धति का महत्त्वपूर्ण अंग है भारतीय जीवन संस्कृति, पाश्चत्य संस्कृति से बहुत ही वैज्ञानिक एवं तार्किक है तथा भारतीय शिक्षा पद्धति प्रारम्भ से ही एकीकृत रही है. उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा की ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही साथ संसार एवं समाज की सेवा मानवीय मूल्यों के पथ पर चल कर करने का संकल्प लें.

डॉ. गौर विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा का अकादमिक, सांस्कृतिक एवं साभ्यातिक केंद्र है- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने वार्षिक आख्या प्रस्तुत करते हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों को रेखांकित किया. उन्होंने विश्वविद्यालय के नवीन छात्रावासों, अकादमिक भवनों, प्रयोगशालाओं, होटल मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, शारीरिक-शिक्षा जैसे नवीन पाठ्यक्रमों और शैक्षणिक समझौतों का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं अधोसंरचनात्मक प्रगति को साझा करते हुए कहा कि आज विश्वविद्यालय राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर के शैक्षिणक मानकों पर अपनी प्राचीन विरासत को संजो का आगे बढ़ रहा है साथ ही यहाँ के विद्यार्थियों का विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में चयन इस बात का प्रतीक है कि हम अपनी गौरवपूर्ण यात्रा को समय एवं समाज के तारतम्य के साथ-साथ आगे बढ़ा रहें है. विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुपालन में अपना श्रेष्ठ

योगदान दे रहा है. राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा एवं अनुसन्धान हेतु माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे विभिन्न नवोन्मेषी एवं गुणवत्तापूर्ण योजनाओं को विश्वविद्यालय में क्रियान्वित कर रहा है जिसके तहत एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट की स्थापना, डिग्रियों का डिजीलाकर में अपलोड, भारतीय ज्ञान परम्परा एवं भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों से सम्बंधित पाठ्यक्रमों का सञ्चालन, संगीत, ललितकला, और प्रदर्शनकारी कला में राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन, स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम, कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के संचालन जैसे महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. दीक्षांत की औपचारिक कार्यवाही प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने संचालित की और आभार व्यक्त किया. राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, उपाधि पाने वाले विद्यार्थी, पत्रकारगण, शहर के सम्माननीय नागरिक गण उपस्थित रहे.

भव्यता के साथ निकली विद्वत शोभायात्रा

कार्यक्रम में लोकवाद्य एवं मंगलाचरण के साथ अकादमिक विद्वत शोभायात्रा समारोह स्थल तक पहुँची. प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने विश्वविद्यालय ध्वज के साथ शोभायात्रा की आगवानी की. इसमें विश्वविद्यालय कुलाधिपति, मुख्य अतिथि, गौर अतिथि, कुलपति, कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य सम्मिलित हुए.

विभिन्न अध्ययनशालाओं के 56 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के 56 मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने स्वर्ण पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किया. दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं सहित 2 सम्बद्ध महाविद्यालयों

के 1200 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान किया गया जिसमें स्नातक के 478 , पीजी 376 एवं पीएच.डी. के 97 छात्रों सहित कुल 951 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त किया. इसके अतिरिक्त शेष विद्यार्थियों को ‘इन अब्सेंशिया’ उपाधि प्रदान की गई.

यूट्यूब पर हुआ दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण

दीक्षांत समारोह के सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया. देश के कई हिस्सों से जो विद्यार्थी सहभागिता नहीं कर सके साथ ही उनके अभिभावकों ने लाइव प्रसारण देखा.

गौर समाधि पर अतिथियों ने पुष्पांजलि दी

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पहुंचकर पर डॉ. गौर को पुष्पांजलि अर्पित की.

एनसीसी कैडेट्स ने किया बैठक व्यवस्था में सहयोग

दीक्षांत समारोह के आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स और अनुशासन व्यवस्था समिति के सदस्यों ने सहयोग किया.

विश्वविद्यालय ने डिजिलॉकर पर जारी की वर्ष 2023 में पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले 2187 विद्यार्थियों की डिग्री

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर ने 32वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर वर्ष 2023 में पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले यूजी के 1391 पीजी के 674 एवं पीएचडी के 122 विद्यार्थियों सहित कुल 2187 डिग्री सर्टिफिकेट आज (13/03/2024) डिजिलॉकर पर जारी कर दी है. सम्बंधित विद्यार्थी अब अपनी डिजिटल डिग्री डिजिलॉकर से भी निकाल सकते हैं. परीक्षा नियंत्रक डॉ एस पी गादेवार ने बताया कि वर्ष 2023 पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों के ग्रेड शीट एवं ट्रांसक्रिप्ट भी उपलब्ध कराने का कार्य भी प्रगति पर है जो जल्द ही विद्यार्थियों को डिजिलॉकर पर उपलब्ध हो जाएगा. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय ने रिकॉर्ड समय में विद्यार्थियों की डिग्री ऑनलाइन रूप में डिजिलॉकर पर उपलब्ध कराई है. एक तरफ वे आज दीक्षांत में डिग्री फाइल प्राप्त कर रहे हैं, दूसरी तरफ उनकी डिजिटल डिग्री भी आज से ही उपलब्ध है. यह विश्वविद्यालय की बड़ी उपलब्धि है. भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान में विश्वविद्यालय ने एक कीर्तिमान स्थापित करते हुए यह कार्य संभव किया है. भारत सरकार ने डिजिटल डिग्री की मान्यता मूल डिग्री के बराबर कर दी है अत: हमारे विद्यार्थी डीजीलाकर पर उपलब्ध डिजिटल अकादमिक सर्टिफिकेट का उपयोग कर देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने मे सहभागी बनें.

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya

विवि का दीक्षांत समारोह 13 को, एंट्री पास मिलना शुरू

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह 13 मार्च को आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आवश्यक तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक हुई। कुलपति ने आयोजन की तैयारियों के संबंध में विभिन्न समितियों के समन्वयक एवं उपसमन्वयकों से चर्चा की और सफल आयोजन के लिए दिशा-निर्देश दिए। आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि लगभग 1200 विद्यार्थियों ने अभी तक पंजीयन कराया है। 11 स्कूल एवं 2 सम्बद्ध महाविद्यालय के पीजी के 376, यूजी के 478 और पीएचडी के 97 यानी कुल 951 विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर डिग्री लेने की सहमति दी है।

स्वर्ण जयंती सभागार में होगा पूर्वाभ्यास : डिग्री पाने वाले अभ्यर्थी 11 और 12 मार्च को दोपहर 3.00 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में रिहर्सल में भाग ले सकेंगे। हॉल में प्रवेश के लिए अपना प्रवेश पत्र या फोटो आईडी दिखानी होगी। पंजीकृत पीएचडी छात्र, पदक प्राप्तकर्ता, पीजी छात्र, यूजी छात्रा की बैठने की व्यवस्था स्वर्ण जयंती सभागार में की गई है। पंजीकृत यूजी छात्र और उनके साथ आने वाले व्यक्तियों की बैठने की व्यवस्था विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में की गई है।

11 और 12 मार्च को डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री का होगा वितरण

दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले पंजीकृत अभ्यर्थियों को 11 और 12 मार्च को सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे के बीच गौर प्रांगण से डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (पगड़ी और स्टोल) वितरित की जाएगी। निर्धारित ड्रेस कोड (छात्र- सफेद कुर्ता और पायजामा, छात्राएं-सफेद सलवार और कुर्ता) की व्यवस्था अभ्यर्थियों को स्वयं करनी होगी। विवि द्वारा एक स्टोल एवं बुंदेली सतरंगी पगड़ी उपलब्ध कराई जाएगी।

दीक्षांत सामग्री का वितरण, स्वर्ण जयंती सभागार में रिहर्सल

जागरण, सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 32वां दीक्षांत समारोह 13 मार्च 2024 को आयोजित किया जा रहा है। दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले पंजीकृत अभ्यर्थियों ने बड़ी संख्या में गौर प्रांगण से डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री पगड़ी और स्टोल प्राप्त की। दीक्षांत सामग्री और डिग्री फाइल 12 मार्च को भी वितरित की जाएगी। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह के पूर्वाभ्यास में भाग लिया। इस दौरान विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किए जाने की पूरी प्रक्रिया

के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता, कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्या परिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की।

विवि का 32वां दीक्षांत समारोह 13 को, सामग्री आज से मिलेगी, रिहर्सल भी होगी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह 13 मार्च को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। समारोह में भाग लेने वाले पंजीकृत विद्यार्थियों को 11 एवं 12 मार्च को सुबह 11 से शाम 4 बजे के बीच गौर प्रांगण से डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (पगड़ी और स्टॉल) वितरित की जाएगी। निर्धारित ड्रेस कोड छात्र सफेद कुर्ता-पायजामा, छात्राएं सफेद सलवार और कुर्ता की व्यवस्था अभ्यर्थियों को स्वयं करनी होगी।

विश्वविद्यालय द्वारा एक स्टॉल एवं बुंदेली सतरंगी पगड़ी उपलब्ध कराई जाएगी। डिग्री पाने वाले अभ्यर्थी 11 एवं 12 मार्च को दोपहर 3 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में रिहर्सल में भाग ले सकेंगे। विवि द्वारा दी जाने वाली पगड़ी और स्टॉल, रिहर्सल, दीक्षांत समारोह हॉल में प्रवेश, डिग्री फाइल और दीक्षांत सामग्री प्राप्त करने के लिए पंजीकृत विद्यार्थियों से प्रवेश-पत्र, फोटो आईडी, आधार, पैन आदि साथ लेकर आने को कहा गया है। आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 1200 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। 11 स्कूल एवं 2 संबद्ध महाविद्यालय के पीजी के 376 यूजी के 478 तथा पीएचडी के 97 विद्यार्थियों सहित कुल 951 विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर डिग्री लेने की सहमति दी है। यानी इतने विद्यार्थी कार्यक्रम में शामिल होंगे। जबकि अन्य विद्यार्थियों की डिग्री उनके द्वारा दिए गए पते पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पोस्ट कर दी जाएगी। समारोह के दौरान 56 विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी मेडल भी दिए जाएंगे। इनमें 35 छात्राएं हैं। इसकी सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दी गई है। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल हैं। गौर अतिथि पंजाब विवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरसी सोबती होंगे। अध्यक्षता विवि के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल करेंगे। इस दौरान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी।

गौर प्रांगण में किया दीक्षांत सामग्री का वितरण, स्वर्ण जयंती सभागार में हुई रिहर्सल

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 32वां दीक्षांत समारोह 13 मार्च 2024 को आयोजित किया जा रहा है. दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले पंजीकृत अभ्यर्थियों ने बड़ी संख्या में गौर प्रांगण से डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (पगड़ी और स्टोल) प्राप्त की। दीक्षांत सामग्री और डिग्री फाइल 12 मार्च को भी वितरित की जाएगी। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह के पूर्वाभ्यास में भाग लिया। इस दौरान विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किए जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, माननीय कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्या परिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की. इस दौरान कुलपति ने सम्पूर्ण कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सामग्री वितरण के साथ हुई दीक्षांत समारोह की रिहर्सल

विवि में अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने पूर्वाभ्यास किया।• नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 32 वां दीक्षांत समारोह 13 मार्च को आयोजित किया जा रहा है।

दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले पंजीकृत अभ्यर्थियों ने बड़ी संख्या में गौर प्रांगण से डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (पगड़ी और स्टोल) प्राप्त की। दीक्षांत सामग्री और डिग्री फाइल 12 मार्च को भी वितरित की जाएगी।

कुलपति, कार्यपरिषद एवं विद्या परिषद सदस्यों सहित मेडल पाने वाले विद्यार्थियों ने सोमवार को पूर्वाभ्यास किया। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों एवं अधिकारियों ने सभागार में पूर्वाभ्यास किया। इस दौरान विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किए जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्या परिषद के सदस्यों ने पगड़ी पहनकर फोटो सेशन भी किया। कुलपति ने सम्पूर्ण कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

आयोजन विवि का 32 वां दीक्षांत समारोह आज, दक्षिण एशियाई विवि के अध्यक्ष प्रो. अग्रवाल देंगे दीक्षांत भाषण

समारोह में बुंदेली वेश-भूषा में विद्यार्थी लेंगे उपाधि

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)।

डा. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह बुधवार को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में सुबह 10:30 बजे से आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल दीक्षांत भाषण देंगे। गौर अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद्, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ व बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विवि लखनऊ पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. आरसी सोबती हैं।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, आइपीएस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं सहित 2 संबद्ध महाविद्यालयों के लगभग 12 सौ विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है, जिसमें स्नातक के 478, पीजी 376 एवं पीएचडी के 97 छात्रों सहित कुल 951 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शेष विद्यार्थियों को इन अब्सेंशियाज् उपाधि प्रदान की जाएगी। समारोह में समस्त विद्यार्थी बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे। दीक्षांत समारोह के सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विवि के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया जाएगा। चैनल की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

दीक्षांत समारोह के चलते पूर्वाभ्यास करते हुए विवि के अधिकारी एवं विद्यार्थी।• नवदुनिया

गौर की समाधि के समक्ष पुष्पांजलि देंगे अतिथि

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथि गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे। मेडल एवं उपाधि पाने वाले विद्यार्थी प्रातः 9:30 बजे तक अपनी उपस्थिति देंगे। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किया जाएगा।

मेडल पाने वाले विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था स्वर्ण जयन्ती सभागार में निर्धारित की गई है। यूजी, पीजी और पीएचडी उपाधि पाने वाले छात्र-छात्राएं इंट्री पास पर लिखित बैठक व्यवस्था के अनुसार समय पूर्व निर्धारित स्थान ग्रहण कर लें। उपाधि पाने वाले सभी छात्र-छात्राएं निर्धारित परिधान (छात्र, सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राएं, सलवार-कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए बुन्देली पगड़ी एवं स्टोल में ही सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में उपस्थित यूजी (पुरूष) छात्रों और अभिभावकों हेतु बैठक व्यवस्था अभिमंच सभागार में की गई है।

कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स करेंगे सहयोग

दीक्षांत समारोह आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स भी सहयोग करेंगे। पूरे कार्यक्रम के दौरान एनसीसी और अनुशासन समिति के सदस्य विभिन्न स्थानों पर अनुशासन एवं सहयोग के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

कुलाधिपति, कुलपति सहित विद्यार्थियों द्वारा पूर्वाभ्यास

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित पूर्वाभ्यास में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान करने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता मौजूद रहे।

समारोह | सार्क विवि के अध्यक्ष प्रो.केके अग्रवाल होंगे समारोह के मुख्य अतिथि

विवि का 32वां दीक्षांत समारोह आज, बुंदेली परंपरा से होगा कार्यक्रम

जागरण, सागर। डॉ.हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह बुधवार को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में सुबह 10.30 बजे से आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय सार्क देशों द्वारा स्थापित के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल का दीक्षांत भाषण होगा।

गौर अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद् पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ तथा बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो.आरसी सोबती हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल आईपीएस सेनि समारोह की अध्यक्षता करेंगे। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं सहित 2 सम्बद्ध महाविद्यालयों के लगभग 1200 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। जिसमें स्नातक के 478, पीजी 376 एवं पीएचडी के 97 छात्रों सहित कुल 951 छात्र

उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शेष विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी।

समारोह में समस्त विद्यार्थी बुन्देली पारंपरिक वेशभूषा में अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे। दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया जाएगा। यूट्यूब चैनल की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध कराई गई है। दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथि गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो.नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किया जाएगा।

मेडल पाने वाले विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था स्वर्ण जयन्ती सभागार में निर्धारित की गई है। यूजी, पीजी और पीएचडी उपाधि पाने वाले छात्र-छात्राएं ईंट्री पास पर लिखित बैठक व्यवस्था के अनुसार समय पूर्व निर्धारित स्थान ग्रहण कर लें।

दीक्षांत समारोह आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स भी सहयोग करेंगे। पूरे कार्यक्रम के दौरान एनसीसी और अनुशासन समिति के सदस्य विभिन्न स्थानों पर अनुशासन एवं सहयोग के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित पूर्वाभ्यास में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल, कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता, कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्यापरिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के दीक्षांत पोशाक बुन्देली पगड़ी और स्टोल का वितरण गौर समाधि प्रांगण से किया गया।

विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह आज, 1200 विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह बुधवार को स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10:30 बजे से होगा। मुख्य अतिथि दक्षिण-एशियाई विवि के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल का दीक्षांत भाषण होगा।

गौर अतिथि पंजाब विवि के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. आरसी सोबती हैं। अध्यक्षता विवि के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल करेंगे। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं सहित संबद्ध महाविद्यालयों के 1200 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया हैं। इनमें स्नातक के 478, पीजी के 376 एवं पीएचडी के 97 विद्यार्थियों सहित कुल 951 विद्यार्थी उपस्थित होकर उपाधि हासिल करेंगे। शेष विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी जाएगी।

विद्यार्थी बुंदेली पारंपरिक वेश-भूषा में अपनी उपाधियां हासिल करेंगे। समारोह का लाइव प्रसारण विवि के ईएमआरसी सागर के यू-ट्यूब चैनल से किया जाएगा। समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने मेडल एवं उपाधि पाने वाले विद्यार्थियों से सुबह 9.30 बजे उपस्थित होने को कहा है। मंगलवार को दीक्षांत सामग्री वितरित की गई। फाइनल रिहर्सल भी हुई।

2023 में कोर्स पूरा कर चुके 2187 विद्यार्थियों की डिग्री जारी

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय ने बुधवार को 32वें दीक्षांत समारोह के साथ वर्ष 2023 में अपना कोर्स पूरा कर चुके 2187 विद्यार्थियों की डिग्री-डिजिलॉकर पर अपलोड कर दी हैं। इसमें स्नातक के 1391, स्नातकोत्तर के 674 व पीएचडी करने वाले 122 विद्यार्थी शामिल हैं। संबंधित विद्यार्थी अब अपनी डिजिटल डिग्री डिजिलॉकर से भी निकाल सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र पी गादेवार ने बताया कि वर्ष 2023 पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों के ग्रेड शीट व ट्रांसक्रिप्ट भी उपलब्ध कराने का काम चल रहा है, जल्द ही विद्यार्थियों को डिजिलॉकर पर उपलब्ध हो जाएगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा विवि ने रिकॉर्ड समय में विद्यार्थियों की डिग्री ऑनलाइन रूप में डिजिलॉकर पर उपलब्ध कराई है।

56 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल, 951 ने प्रत्यक्ष रूप से ली डिग्री

मंगलाचरण के साथ दीक्षांत समारोह का हुआ शुभारंभ स्वर्ण पदक व डिग्री पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह बुधवार को मंगलाचरण के साथ शुरू हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सार्क देशों द्वारा स्थापित दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल, गौर अतिथि के रूप में शिक्षाविद् पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ व बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. आरसी सोबती उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल ने की। सभी अतिथि आयोजन के पूर्व गौर समाधि पर पहुंचे और डॉ. सर गौर पुष्पांजलि अर्पित की। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। लोकवाद्य व मंगलाचरण के साथ अकादमिक विद्वत शोभायात्रा समारोह स्थल तक पहुंची, जिसकी अगवानी विवि के ध्वज के साथ प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने की।

विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित इस 32वें दीक्षांत समारोह में बुंदेली वेश-भूषा में विभिन्न विषयों के 56 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। वहीं आयोजन में स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएचडी पूरी कर चुके 951 विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष रूप से डिग्री प्राप्त की। डिग्री लेने के बाद विद्यार्थियों के चेहरे पर एक अलग ही खुशी देखने को मिली।

सर गौर जैसे बनने का संकल्प लें

मुख्य अतिथि प्रो. केके अग्रवाल ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा शिक्षा का काम ज्ञात समस्या का समाधान करना है, जबकि दीक्षा अज्ञात समस्याओं के समाधान के लिए दी जाती है। दीक्षा प्राप्त करने के बाद अब आप जीवन और समाज में कार्य करने के लिए तैयार हो चुके हैं। विद्यार्थी डॉ. हरीसिंह गौर के जैसा महान बनने का संकल्प लें। यह बात स्वर्ण जयंती सभागार में हुए डॉ. हरीसिंह गौर विवि के 32वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि सार्क देशों द्वारा स्थापित दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने कही। उन्होंने कहा जीवन में उद्देश्य का होना बहुत आवश्यक है, तभी आप सफल हो सकते हैं। आज शिक्षा में आठटकम बेस्ड लर्निंग की बात की जा रही है। विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा की बात की जा रही है। हम सभी को ऐसा वातावरण बनाना है कि हम लगातार डॉ. गौर जैसे व्यक्तित्व पैदा कर सकें। यही हमारी सफलता एवं उत्कृष्टता का मानक होगा। गौर अतिथि पद्मश्री प्रो. आरसी सोबती ने कहा प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है। प्रकृति से सीखने की आवश्यकता ही शिक्षण पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है। भारतीय जीवन संस्कृति, पाश्चात्य संस्कृति से बहुत ही वैज्ञानिक एवं तार्किक है। विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही संसार एवं समाज की सेवा मानवीय मूल्यों के पथ पर चल कर करने का संकल्प लें। दीक्षांत समारोह के पहले अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। एनसीसी कैडेट्स अनुशासन व्यवस्था समिति के सदस्यों ने बैठक व्यवस्था में सहयोग किया। विवि के ईएमआरसी के चैनल से लाइव प्रसारण भी हुआ। संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। आभार प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने माना।

अब विद्यार्थियों के जीवन में परीक्षाएं आरंभ होंगी, जिनमें सफल होना है : कुलाधिपति

अध्यक्षता कर रहे विवि के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने कहा उपाधि मिलना किसी भी विद्यार्थी के जीवन का सबसे सुखद क्षण होता है। डॉ. गौर द्वारा स्थापित इस विवि में दीक्षांत का आयोजन कई मायनों में विलक्षण है। उपाधि लेने के बाद अब विद्यार्थी के जीवन में परीक्षाएं आरंभ होंगी जिनमें उन्हें सफल होना है।

शिक्षा के साथ संस्कार व पात्रता बेहद जरूरी

कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने कहा उपाधि मिलना विद्यार्थी के जीवन का सबसे सुखद क्षण होता है। सामान्यतया: सभी शैक्षणिक संस्थाओं में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाता है, लेकिन महान दानवीर, प्रतिभा के धनी, महान समाज सुधारक, दृढ़ प्रतिज्ञ डॉ. हरिसिंह गौर द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय में दीक्षांत का आयोजन कई मायनों में विलक्षण है। डिग्री मिल गई है इसके बाद आपके जीवन की वास्तविक परीक्षा शुरू होगी। उन्होंने कहा शिक्षा के साथ संस्कार व पात्रता बेहद जरूरी है, तभी व्यक्ति को सफलता मिलती है। गौर अतिथि पद्मश्री प्रो. आरसी सोबती ने कहा प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है प्रकृति से सीखने की आवश्यकता ही शिक्षण पद्धति का अंग है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा विवि राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर के शैक्षणिक मानकों पर अपनी प्राचीन विरासत को संजोकर आगे बढ़ रहा है। यहां के विद्यार्थियों का राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में चयन इस बात का प्रतीक है।

दीक्षांत समारोह • स्वर्ण जयंती सभागार में विद्यार्थियों को दी गईं डिग्री, 2187 विद्यार्थियों की डिग्री डिजीलॉकर में जारी की

जीवन में उद्देश्य का होना बहुत आवश्यक है तभी आप सफल हो सकते हैं, विद्यार्थी डॉ. हरीसिंह गौर जैसा महान बनने का संकल्प लें: प्रो. अग्रवाल

भास्कर संवाददाता | सागर

शिक्षा का काम ज्ञात समस्या का समाधान करना है। जबकि दीक्षा अज्ञात समस्याओं के समाधान के लिए दी जाती है। दीक्षा प्राप्त करने के बाद अब आप जीवन और समाज में कार्य करने के लिए तैयार हो चुके हैं। विद्यार्थी डॉ. हरीसिंह गौर के जैसा महान बनने का संकल्प लें। यह बात स्वर्ण जयंती सभागार में हुए डॉ. हरीसिंह गौर विवि के 32वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि सार्क देशों द्वारा स्थापित दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने कही। उन्होंने कहा जीवन में उद्देश्य का होना बहुत आवश्यक है, तभी आप सफल हो सकते हैं। आज शिक्षा में आठटकम बेस्ड लर्निंग की बात की जा रही है। विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा की बात की जा रही है। हम सभी को ऐसा वातावरण बनाना है कि हम लगातार डॉ. गौर जैसे व्यक्तित्व पैदा कर सकें। यही हमारी सफलता एवं उत्कृष्टता का मानक होगा। गौर अतिथि पद्मश्री प्रो. आरसी सोबती ने कहा प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है। प्रकृति से सीखने की आवश्यकता ही शिक्षण पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है। भारतीय जीवन संस्कृति, पाश्चात्य संस्कृति से बहुत ही वैज्ञानिक एवं तार्किक है। विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही संसार एवं समाज की सेवा मानवीय मूल्यों के पथ पर चल कर करने का संकल्प लें। दीक्षांत समारोह के पहले अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। एनसीसी कैडेट्स अनुशासन व्यवस्था समिति के सदस्यों ने बैठक व्यवस्था में सहयोग किया। विवि के ईएमआरसी के चैनल से लाइव प्रसारण भी हुआ। संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। आभार प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने माना।

सागर | विवि के 32 वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। दूसरे चित्र में कार्यक्रम के दौरान आईने में देखकर पगड़ी को संवारती कुलपति नीलिमा गुप्ता।

राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अपनी प्राचीन विरासत को संजोकर आगे बढ़ रहा है विवि : कुलपति

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर शिक्षकों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों को बताया। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर, नए पाठ्यक्रमों और शैक्षणिक समझौतों का उल्लेख कर विवि की प्रगति को साझा किया। उन्होंने कहा विवि राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर के शैक्षणिक मानकों पर अपनी प्राचीन विरासत को संजोकर आगे बढ़ रहा है। विवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुपालन में अपना श्रेष्ठ योगदान दे रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विभिन्न नवोन्मेषी एवं गुणवत्तापूर्ण योजनाओं को विश्वविद्यालय क्रियान्वित कर रहा है। जिसके तहत एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना, डिग्रियों का डिजीलॉकर में अपलोड, भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों से संबंधित पाठ्यक्रमों का संचालन, संगीत, ललित कला और प्रदर्शनकारी कला में राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन, स्वच्छ भारत अभियान के तहत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम, कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के संचालन जैसे महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

2023 के विद्यार्थियों की ग्रेड शीट व ट्रांसक्रिप्ट भी जल्द होगी ऑनलाइन

विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह के मौके पर वर्ष-2023 में डिग्री पूरी कराने वाले यूजी के 1391, पीजी के 674 एवं पीएचडी के 122 विद्यार्थियों सहित 2187 विद्यार्थियों के डिग्री सर्टिफिकेट डिजिलॉकर पर जारी कर दिए। विद्यार्थी इसे निकाल सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र पी गादेवार ने बताया वर्ष-2023 में पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों के ग्रेड शीट एवं ट्रांसक्रिप्ट भी जल्दी ही डिजिलॉकर पर उपलब्ध हो जाएंगे। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा विवि ने रिकॉर्ड समय में विद्यार्थियों की डिग्री डिजिलॉकर पर उपलब्ध कराई हैं। एक तरफ वे दीक्षांत में डिग्री फाइजल प्राप्त कर रहे हैं, दूसरी तरफ उनकी डिजिटल डिग्री भी आज से ही उपलब्ध है। यह विवि की बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान में विवि ने एक कीर्तिमान स्थापित करते हुए यह कार्य संभव किया है। भारत सरकार ने डिजिटल डिग्री को मान्यता मूल डिग्री के बराबर कर दी है। लिहाजा हमारे विद्यार्थी डिजीलॉकर पर उपलब्ध डिजिटल अकादमिक सर्टिफिकेट का उपयोग कर देश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्था बदलने में सहभागी बनें।

दीक्षा अज्ञात समस्याओं के समाधान के लिए दी जाती है

शिक्षा ● विवि का 32 वां दीक्षांत समारोह, बुंदेली वेश-भूषा में प्राप्त की उपाधियां, मुख्य अतिथि दक्षिण एशियाई विवि के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल शामिल

समारोह के दौरान विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए अतिथि • नवदुनिया

समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथि • नवदुनिया

समारोह के दौरान जुलूस निकालते हुए विद्यार्थी • नवदुनिया

दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री मिलने के बाद खुशियां मनाते हुए विवि के विद्यार्थी • नवदुनिया

समारोह के दौरान डिग्री लेने वाले विद्यार्थी पगड़ी व सफेद कपड़ों में नजर आए • नवदुनिया

सागर, नवदुनिया प्रतिनिधि)। शिक्षा का काम ज्ञात समस्या का समाधान करना है जबकि दीक्षा अज्ञात समस्याओं के समाधान के लिए दी जाती है। तार्किक दृष्टि ही विद्यार्थी का सर्वश्रेष्ठ गुण होता है। दीक्षा प्राप्त करने के बाद अब आप जीवन और समाज में कार्य करने के लिए तैयार हो चुके हैं। डा. सर हरिसिंह गौर का इस विवि की स्थापना में महती योगदान है। विद्यार्थी उनके जैसा महान बनने का संकल्प लें। यह बात विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित 32 वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि सार्क देशों द्वारा स्थापित दक्षिण एशियाई विवि के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने कही।

उन्होंने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में बहुअनुशासनिकता की बात की जा रही है। दुनिया के महान विज्ञानी और अनुसंधानकर्ताओं की प्रवृत्ति बहुअनुशासनिक रही है तभी उनके अनुसंधान परिणाम नवोन्मेषी एवं जनकल्याणकारी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में उद्देश्य का होना बहुत आवश्यक है तभी आप सफल हो सकते हैं। आज शिक्षा में आउटकम बेस्ड लर्निंग की बात की जा रही है। हम सभी को ऐसा वातावरण बनाना है कि हम लगातार डा. गौर जैसे व्यक्तित्व पैदा कर सकें। यही हमारी सफलता एवं उत्कृष्टता का मानक होगा। विद्यार्थियों में प्रश्नाकुलता पैदा करें, उन्हें प्रेरित करें, उनमें आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करें। यही नवाचारी शोधकर्ता के गुण हैं। उन्होंने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को जीवन में सक्रिय होकर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए शुभकामनाएं दीं।

जीवन में ज्ञान और कौशल का विवेकसम्मत उपयोग करें विद्यार्थी - कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि उपाधि मिलना किसी भी विद्यार्थी के जीवन का सबसे सुखद क्षण होता है। सामान्यतया: सभी शैक्षणिक संस्थाओं में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाता है, लेकिन महान दानवीर, प्रतिभा के धनी, महान समाज सुधारक, दृढ़ प्रतिज्ञ डा. हरीसिंह गौर द्वारा स्थापित इस विवि में दीक्षांत का आयोजन कई मायनों में विलक्षण है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज विश्वविद्यालय राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर के शैक्षणिक मानकों पर अपनी प्राचीन विरासत को संजो कर आगे बढ़ रहा है साथ ही यहां के विद्यार्थियों का विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में चयन इस बात का प्रतीक है कि हम अपनी गौरवपूर्ण यात्रा को समाज एवं समाज के तारतम्य के साथ-साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

ज्ञान एवं संस्कृति के सह-अस्तित्व को शिक्षा में पोषित करने की आवश्यकता - पद्मश्री

गौरव अतिथि पद्मश्री प्रो. आरसी सोबती ने भारतीय ज्ञान एवं संस्कृति के सह-अस्तित्व को शिक्षा में पोषित करने की क्षमता पर कहा कि प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है। प्रकृति से सीखने की आवश्यकता ही शिक्षण पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है। भारतीय जीवन संस्कृति, पाश्चात्य संस्कृति से बहुत ही वैज्ञानिक एवं तार्किक है व भारतीय शिक्षा पद्धति प्रारंभ से ही एकीकृत रही है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा की ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही साथ संस्कार एवं समाज की सेवा मानवीय मूल्यों के पथ पर चल कर करने का संकल्प लें।

भव्यता के साथ निकली विहंगम शोभायात्रा

कार्यक्रम में लोकवाद्य एवं मंगलाचरण के साथ अकादमिक विहंगम शोभायात्रा समारोह स्थल तक पहुंची। प्रभारी कुलसचिव डा. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने विश्वविद्यालय ध्वज के साथ शोभायात्रा की अगवानी की। कार्यक्रम का संचालन डा. आशुतोष ने किया। दीक्षांत की औपचारिक कार्रवाई प्रभारी कुलसचिव डा. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने संचालित की और आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। दीक्षांत समारोह के शुभारंभ अवसर पर अतिथियों ने गौर समाधि पहुंचकर पर डा. गौर को पुष्पांजलि अर्पित की। दीक्षांत समारोह के आयोजन में विवि के एनसीसी कैडेट्स और अनुशासन व्यवस्था समिति के सदस्यों ने सहयोग किया।

56 मेधावी विद्यार्थियों को दिए स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के 56 मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने स्वर्ण पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं सहित 2 सम्बद्ध महाविद्यालयों के 12 सौ विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। इनमें स्नातक के 478, पीजी 376 एवं पीएचडी के 97 छात्रों सहित कुल 951 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त किया। दीक्षांत समारोह के सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया। देश के कई हिस्सों से जो विद्यार्थी सहभागिता नहीं कर सके साथ ही उनके अभिभावकों ने लाइव प्रसारण देखा।

समारोह | तार्किक दृष्टि विद्यार्थी का सर्वश्रेष्ठ गुण : प्रो.अग्रवाल, विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

विवि का 32वां दीक्षांत समारोह संपन्न, बुन्देली वेशभूषा में ली उपाधियां

जागरण, सागर। डॉ.हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह बुधवार को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित हुआ। विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के 56 मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किया। सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं सहित 2 सम्बद्ध महाविद्यालयों के 1200 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। स्नातक के 478, पीजी 376 एवं पीएचडी के 97 छात्रों ने उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त की।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सार्क देशों द्वारा स्थापित दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो.के.के. अग्रवाल, गौर अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद् पद्मश्री प्रो.आरसी सोबती उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने समारोह की अध्यक्षता की। देवी सरस्वती एवं डॉ.गौर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरुआत हुई। अतिथियों द्वारा स्मारिका का विमोचन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो.अग्रवाल ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि शिक्षा का काम ज्ञात समस्या का समाधान करना है जबकि दीक्षा अज्ञात समस्याओं के समाधान के लिए दी जाती है। दीक्षा प्राप्त करने के बाद अब आप जीवन और समाज में कार्य करने के लिए तैयार हो चुके हैं। डॉ.सर हरीसिंह गौर का इस विश्वविद्यालय की स्थापना में महती योगदान है। विद्यार्थी उनके जैसा महान बनने का संकल्प लें। हम सभी को ऐसा वातावरण बनाना है कि हम लगातार डॉ.हरीसिंह गौर जैसे व्यक्तित्व पैदा कर सकें, यही हमारी सफलता एवं उत्कृष्टता का मानक होगा।

कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि उपाधि मिलना किसी भी विद्यार्थी के जीवन का सबसे सुखद क्षण होता है। महान दानवीर डॉ.हरीसिंह गौर द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय में दीक्षांत का आयोजन कई मायनों में विलक्षण है। प्रो.सोबती ने अपने उद्बोधन में भारतीय ज्ञान एवं संस्कृति के सह आस्तित्व को शिक्षा में पोषित करने की क्षमता पर बल देने की बात की। उन्होंने कहा कि प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने वार्षिक आख्या प्रस्तुत करते हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.आशुतोष ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शहर के नागरिक गण उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी के यूट्यूब चैनल से किया गया। देश के कई हिस्सों से जो विद्यार्थी सहभागिता नहीं कर सके साथ ही उनके अभिभावकों ने लाइव प्रसारण देखा। दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पहुंचकर पर डॉ.गौर को पुष्पांजलि अर्पित की।

दीक्षांत समारोह | डॉ हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि में डिग्रियां पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

तार्किक दृष्टि ही विद्यार्थियों का सर्वश्रेष्ठ गुण : प्रो. अग्रवाल

नवभारत न्यूज

सागर 13 मार्च. डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, का 32वां दीक्षांत समारोह विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित हुआ.

विवि के विभिन्न अध्ययनशालाओं के 56 मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों ने स्वर्ण पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किया. दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं सहित 2

सम्बद्ध महाविद्यालयों के 1200 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति का ब्यौरा दिया. मुख्य अतिथि प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा का काम ज्ञात समस्या का समाधान करना है जबकि दीक्षा अज्ञात समस्याओं के समाधान के लिए दी जाती है. आज शिक्षा के क्षेत्र में बहुअनुशासनिकता की बात की जा रही है. दुनिया के महान वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ताओं की चित्तवृत्ति बहुअनुशासनिक रही है तभी उनके अनुसंधान परिणाम नवोन्मेषी एवं जनकल्याणकारी रहे हैं. कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने कहा कि उपाधि मिलना किसी भी विद्यार्थी के जीवन का सबसे सुखद क्षण होता है.

पद्मश्री प्रो. आरसी सोबती ने कहा प्रकृति सबसे बड़ी शिक्षक है प्रकृति से सीखने की आवश्यकता ही शिक्षण पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है भारतीय जीवन संस्कृति, पाश्चत्य संस्कृति से बहुत ही वैज्ञानिक एवं तार्किक है.

32वां दीक्षांत : 1200 विद्यार्थियों को उपाधि, इनमें 97 शोधार्थी

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 32वां दीक्षांत समारोह बुधवार को स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ। इसमें 1200 विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। इनमें यूजी के 478, पीजी के 376 विद्यार्थी एवं पीएचडी के 97 शोधार्थी हैं। 951 विद्यार्थियों ने मौके पर मौजूद रहकर उपाधि ली। 56 विद्यार्थियों को विवि मेडल (स्वर्ण पदक) दिए गए। इनमें 35 छात्राएं हैं।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in